Department of Higher Education, Govt. of M.P. Undergraduate single paper system

Semester wise Syllabus

as recommended by Central Board of Studies and Approved by HE the Governor of M.P

उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन
स्नातक कक्षाओं के लिए एकल प्रश्न पत्र प्रणाली सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम,
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

B.A. (2012-2013)

Sem. III- भारत का इतिहास 1200 से 1739 ईं. तक

History of India From 1200 to1739 A.D.

Sem.IV - विश्व इतिहास की प्रमुख धाराएँ 1871 से 1945 ईं. तक

Main Currents of World History from 1871 to 1945 A.D.

B.A. 2013-2014

Sem. V- भारत का इतिहास 1740 से 1857 ईं. तक

History of India from 1740 to 1857 A.D.

Sem.VI- भारत का इतिहास सन् 1858 से 1950 ई. तक

(राष्ट्रीय आंदोलन के विशेष संदर्भ में)

History of India From 1858 to 1950 A.D.

(With Emphasis on National Movement)

Department of Higher Education, Govt. of M.P. Undergraduate single paper system

Semester wise Syllabus

as recommended by Central Board of Studies and Approved by HE the Governor of M.P

उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन
स्नातक कक्षाओं के लिए एकल प्रश्न पत्र प्रणाली सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम,
(केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित)

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर 2012-2013 कुल अंक **85**

, भारत का इतिहास सन 1200 से 1739 ई.

उद्देश्यः– सल्तनत काल में भारत में साम्राज्य की जड़ें गहरी हुईं परन्तु फिर भी इस व्यवस्था में स्थायित्व नहीं था, क्योंकि लगातार राज्य सत्ता परिवर्तित होती रही। अकबर के काल में प्रशासकीय एवं राजनैतिक सुसंगठन के कारण भारत में मिश्रित प्रशासकीय अधोसंरचना स्थापित हुई। बाद में मुगलो के पतन के साथ भारत में सामाजिक राजनैतिक विखंडीकरण दृष्टिगोचर होने लगा जो संभवतया प्रशासनिक शिथिलीकरण का परिणाम था। यद्यपि, प्रशासनिक शिथिलीकरण के बावजूद भारत की सामाजिक सांस्कृतिक संरचना अक्षुण्ण रही तथा समन्वय की प्रक्रिया अनवरत रही।

इकाई – 1

1. मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत एवं सर्वेक्षण।
2. दिल्ली सल्तनत की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण– कुतुबद्दीन ऐबक और इल्तुतमिश।
3. रजिया बेगम, बलबन।
4. अलाउद्दीन खिलजी की विजयें और सुधार।
5. मंगोल आक्रमण।

इकाई – 2

1. मोहम्मद–बिन–तुगलक, फिरोजशाह तुगलक।
2. दिल्ली सल्तनत का विकेन्द्रीकरण और प्रान्तीय शक्तियों का उदय। विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य।
3. तैमूर का आक्रमण और उसका प्रभाव।
4. मुगल आक्रमण–बाबर और हूमायूँ, शेरशाह सूरी।

इकाई – 3

1. मुगल साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार–अकबर।
2. मुगल राजपूत सम्बन्ध, महाराणा प्रताप, मुगल गोण्ड संबंध, रानी दुर्गावती।
3. जहाँगीर और शाहजहाँ,मुगल सिक्ख संबंध।
4. मराठों का उत्कर्ष शिवाजी की विजयें एवं उनका प्रशासन।
5. औरंगजेब और मुगल साम्राज्य का पतन, नादिरशाह का आक्रमण एवं उसके प्रभाव।
6. यूरोपियनों का आगमन।

इकाई – 4 सल्तनत काल

1 सल्तनत कालीन सामाजिक धार्मिक जीवन –भक्ति आंदोलन,सूफी आंदोलन।
2 सल्तनत काल में आर्थिक जीवन– कृषि, उद्योग और व्यापार ।
3 प्रशासनिक व्यवस्था।

इकाई – 5 मुगल काल

1 मुगल प्रशासन एवं संस्थाऐं।
2 मनसबदारी व्यवस्था।
3 सामाजिक एवं धार्मिक जीवन,स्त्रियों की स्थिति।
4 आर्थिक जीवन, कृषि, व्यापार, वाणिज्य।
5 स्थापत्य कला।

अनुशंसित पुस्तकें –

1 श्रीवास्तव ए.एल.–भारत का इतिहास
2 श्रीवास्तव ए.एल.– दिल्ली सल्तनत
3 श्रीवास्तव ए.एल.–मुगल कालीन भारत
4 हबीब उल्लाह– भारत में मुस्लिम शासन की बुनियाद
5 मजूमदार,राय चौधरी एवं दत्त–भारत का वृहद इतिहास खण्ड–2
6 पंजाबी बी.के.–भारत में मुस्लिम शासन की बुनियाद
7 हबीब एवं निजामी–दिल्ली सल्तनत
8 वर्मा हरिशचन्द्र– मध्यकालीन भारत (1206–1761) दो खंडों में
9 शर्मा कालूराम एवं व्यास प्रकाश,मध्यकालीन भारतीय संस्कृति
10 सक्सेना आर.के. दिल्ली सल्तनत
11 राधेशरण–भारत की सामाजिक एवं आर्थिक संरचना और संस्कृति के मूल तत्व (आदि काल से 1950 ईस्वी तक) (म.प्र.हिन्दी ग्रंथ अकादमी का प्रकाशन)

12 पाण्डेय ए.बी.– पूर्व मध्यकालीन भारत
13 पाण्डेय ए.बी.–उत्तर मध्यकालीन भारत
14 ईश्वरी प्रसाद– मध्ययुगीन भारत
15 श्रीवास्तव एच.एस.–मुगल कालीन शासन व्यवस्था
16 सरदेसाई जी.एस.–मराठों का नवीन इतिहास खण्ड–2
17 सरकार जे.एन.–शिवाजी और उनका पुत्र
18 त्रिपाठी आर.पी.–मुगल साम्राज्य का उत्थान और पतन
19 मित्तल ए.के.– यूनीफाइड इतिहास(प्रारंभ से 1761 ई.तक)
20 मित्तल ए.के.– यूनीफाइड इतिहास(प्राचीन काल से 1950 ई.तक)
21 श्रीवास्तव ब्रजेश कुमार, मध्यकालीन भारत
22 दहीभाते ए.के. मध्यकालीन भारत
23 Dey.U.N. -Mughal Govermment
24 Hubibullah A.B.M.- Foundation of Muslim Rule in India,
25 Habib & Nizami-Comperhensive History of India
26 Majumdar, RC- An Advanved History of India Vol-II
27 Choudhary & Dutta, Mehta-Advance Study in the Medieval History of India
28 Pandey, A.B.Later Medievel India
29 Prasad Ishwari- Medieval India
30 Sardesai, GS. Main currents of Maratha History
31 Sarkar, J.N. Shivaji and His Time

B A SEM III, 2012-2013 **Max Marks 85**

HISTORY OF INDIA (FROM 12OO AD TO 1739 AD)

Objective- The imperial forces found roots in India during the Sultanate period. The system however lacked the elements of stability and consequently witnessed frequent changes in the dynastic rule. However the political and administrative consolidation under Akbar resulted in composite administrative governance in India. Later with the decline of the Mughals the fragmentation of the socio-political system in India was evident primarily due to the inherent weakness of the administrative system which brought about disintegration. However despite administrative failure, the socio-cultural fabric of India sustained and process of assimilation continued. Despite the frequent changes in the ruling classes, the socio- economic structure was not disturbed.

Unit I-

1 Survey of sources of medieval Indian history.
2 Foundation and consolidation of the Sultanate-Qutubuddin Aibak and Iltutmish.
3 Razia and Balban.
4 Alauddin Khalji, his conquests and reforms
5 The Mongol invasion.

Unit II-

1 Tughluqs- Mohammad bin Tughluq and Firuz Shah Tughluq.
2 Disintegration of the Sultanate and the rise of provincial kingdoms. Vijayanagar and Bahmani kingdoms.
3. Timur's invasion and its impact.
4. Invasion of the Mughals, Babur and Humayun , Sher Shah Suri.

Unit III

1. Consolidation and territorial expansion of Mughal empire- Akbar.
2. Mughal-Rajput relations- Maharana Pratap, Mughal-Gond relations- Rani Durgavati.
3. Jahangir, Shahjahan, Mughal Sikh relations.
4. Rise of Marathas, Shivaji- his conquests and administration.
5. Aurangzeb and the decline of Mughal empire, Nadir Shah's invasion and its impact.
6. Advent of Europeans.

Unit IV (The Sultanate Period)

1. Socio-religious life during the Sultanate period- Bhakti and Sufi movements.
2. Economic life during Sultanate period, agriculture, industry and trade
3. Administrative system.

Unit V (The Mughal Period)

1. Mughal administration and institutions.
2. Mansabdari System.
3. Social and religious life, status of women.
4. Economic life, agriculture, trade and commerce.
5. Architecture.

Department of Higher Education, Govt. of M.P. Undergraduate single paper system

Semester wise Syllabus

as recommended by Central Board of Studies and Approved by HE the Governor of M.P

उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन

स्नातक कक्षाओं के लिए एकल प्रश्न पत्र प्रणाली सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम,

(केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित)

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर 2012-2013 **कुल अंक 85**

विश्व इतिहास की प्रमुख धाराएँ 1871 से 1945 ई.

उद्देश्यः– यूरोप में राष्ट्रवाद तथा औद्योगिक क्रांति के परिणाम साम्राज्यवाद तथा उपनिवेशवाद के रूप मे सामन आये। उपरोक्त के कारण स्पष्ट परिभाषित पूँजीवाद का प्रादुर्भाव हुआ। राष्ट्रो के वैचारिक मतभेदों के कारण दो विश्व युद्ध हुए। इस विवेच्य काल में रूसी क्रांति हुई तथा साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष भी हुआ। अध्ययन में उपरोक्त सभी घटनाक्रमों की अच्छी समझ अपेक्षित है।

इकाई – 1

1 फ्रांस का तृतीय गणराज्य।
2 बिस्मार्क– गृह एवं विदेश नीति।
3 कैसर विलियम द्वितीय की विदेश नीति।
4 अफ्रीका का विभाजन।

इकाई – 2

1 पूर्वी प्रश्न (1871 से)
2 बर्लिन कांग्रेस (1878)
3 युवा तुर्क आंदोलन, बाल्कन युद्ध (1912–13)
4 प्रथम विश्वयुद्ध– कारण,घटनाएँ और उत्तरगामी प्रभाव।
5 रूस में 1905 और 1917 की क्रांति।

इकाई – 3

1 विल्सन के चौदह सूत्र।
2 पेरिस का शांति सम्मेलन।
3 राष्ट्रसंघ।
4 फासीवाद का उदय– मुसोलिनी, गृह एवं विदेश नीति।
5 नाजीवाद, हिटलर– गृह एवं विदेश नीति।

इकाई – 4

1 चीन और जापान में उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद–चीन में सुविधाओं की मांग।
2 जापान, मेइजी पुर्नस्थापना, आधुनिकीकरण, सैन्य प्रशासन का उदय।
3 चीन जापान युद्ध 1894, रूस जापान युद्ध 1905।
4 बॉक्सर विद्रोह, चीनी क्रांति–1911।
5 द्वितीय चीन जापान युद्ध।

इकाई – 5

1 दोनों विश्वयुद्धो के मध्य विश्व राजनीति।
2 द्वितीय विश्वयुद्ध–कारण,घटनाएँ एवं प्रभाव।

अनुशंसित पुस्तकें –

1 Robert J.M.-Europe 1880-1945 (Longman, 1989)
2 E.Lipson-Europe in the 19th and 20th Century
3 C.J.H.Hayes- Modern Europe(Surjeet Publication)
4 Grant and Temperley,- Europe in the 19th and 20th Century (Also Hindi version)
5 C.D.M. Ketelby – History of Modern Times

6 Penderal Moon -Imperialism in World Politics
7 Panikkar K.M.- Asia and Western Dominance.
8 Fay, Origin of the World War
9 मनाजिर अहमद–यूरोप का इतिहास।
10 सत्यकेतु विद्यालंकार – सुदूर पूर्व का इतिहास।
11 डॉ. भगवान सिंह वर्मा – विश्व इतिहास की प्रमुख धाराएँ।
12 डॉ. पंजाबी बालकृष्ण–पश्चिम के आधुनिक इतिहास (1789–1956)
13 शर्मा डॉ. मथुरालाल– यूरोप का इतिहास(1789–1945)
14 अहमद लईक, आधुनिक विश्व का इतिहास।
15 जगदीश चन्द्र झा– आधुनिक यूरोप (1789–1945)
16 लूनिया बी.एन.– आधुनिक पाश्चात्य इतिहास की प्रमुख धाराएँ।
17 प्रो.डी.एस.चौहान– यूरोप का इतिहास

B A PART II, SEM IV,

HISTORY (2012-2013)

MAIN CURRENTS OF WORLD HISTORY, FROM 1871 TO 1945 AD

Max Marks 85

Objective- Imperialism and colonialism were caused as a bye product of nationalism and industrial revolution in Europe. This laid basis for a well defined capitalism. Ideological clashes between nations resulted in the two world wars. In this period Russian Revolution as well as anti imperial and anti colonial struggle took place. A good understanding of all the above phenomenon has to be maid.

Unit I
1. Third French Republic
2. Internal and foreign policy of Bismarck.
3. Foreign policy of Kaiser William II.
4. Scramble for Africa.

Unit II
1. Eastern Question (from 1871).
2. Berlin Congress (1878).
3. Young Turk Movement and the Balkan wars (1912-13).
4. World War I- causes, events and aftermath.
5. Russian Revolutions of 1905 and 1917.

Unit III
1. Wilson's fourteen points.
2. Paris Peace Conference.
3. League of Nations.
4. Rise of Fascism, internal and foreign policy of Mussolini.
5. Nazism- internal and foreign policy of Hitler.

Unit IV
1. Imperialism and colonialism in China and Japan. Demands for concessions in China.
2. Japan, the Meiji Restoration, Modernization of Japan, Rise of Militarism.
3. Sino-Japanese war (1894), Russo-Japanese war (1905).
4. Boxer movement, Chinese Revolution-1911, Second Sino-Japanese War.

Unit V
1. World politics FROM 1919 TO 1939, Causes, events and effects of the World War II.

Department of Higher Education, Govt. of M.P. Undergraduate single paper system

Semester wise Syllabus
as recommended by Central Board of Studies and Approved by HE the Governor of M.P

उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन
स्नातक कक्षाओं के लिए एकल प्रश्न पत्र प्रणाली सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम,
(केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित)

बी.ए.–V Sem. 2013-2014

कुल अंक 85

भारत का इतिहास 1740 से 1857 ई.

उद्देश्यः– मुगल सामाज्य के पतन के पश्चात् भारत विभिन्न शक्तियों के संघर्ष का केन्द्र बन गया। भारत में विघटनकारी शक्तियों की गतिविधियों का लाभ उठाकर अग्रेंजों ने अपनी सत्ता स्थापित कर ली। मैसूर तथा मराठा युद्धों में अग्रेजो की विजयों ने उन्हें शाक्तिशाली बना दिया। राजा राम मोहन राय के नेतृत्व में सामाजिक–धार्मिक आंदोलनों तथा लार्ड–विलियम बैर्टिक के सुधारों ने भारतीय समाज में व्यापक परिवर्तन किए। ब्रिटिश प्रशासकों ने भारत में अपने आर्थिक हितों के अनुरूप शासन किया। उपनिवेशवादी नीतियों के परिणाम स्वरूप 1857 का विद्रोह हुआ।

इकाई – 1

18 वीं शाताब्दी में मध्य में राजनीतिक प्रवृत्तियाँ, कर्नाटक में आंग्ल–फ्रासीसी संघर्ष ,पानीपत का तृतीय युद्ध। बंगाल में ईस्ट इंडिया कंपनी की सत्ता की स्थापना–प्लासी और बक्सर का युद्ध। बंगाल–बिहार–उडीसा की दीवानी,द्वैध शासन।

इकाई – 2

औपनिवेशिक प्रशासन का विकास, वॉरेन हेस्टिंग्ज तथा लार्ड कार्नवालिस,रेम्युलेटिंग एक्ट,पिट्स इंडिया एक्ट,आंग्ल–मराठा संबंध। आंग्ल–मैसूर संबंध, आंग्ल–अफगान संबंध, लार्ड वेलेजली और सहायक संधियां।

इकाई – 3

महराजा रणजीत सिंह तथा आंग्ल–सिख संबंध,लार्ड हेस्टिंग्ज तथा ब्रिटिश प्रभुसत्ता की स्थापना। मराठों का पतन। आंग्ल–बर्मा संबंध, आंग्ल–अफगान संबंध। लार्ड डलहौजी की हड़प नीति। 1857 का विद्रोह –स्वरूप कारण और परिणाम।

इकाई – 4

भारतीय पुनर्जागरण, सामाजिक–धार्मिक आंदोलन, राजा राममोहन राय तथा ब्रह्म समाज, लार्ड विलियम बैंटिंक,महिलाओं की स्थिति, पश्चिमी शिक्षा का विकास, भारत का आधुनिकीकरण।

इकाई – 5

ब्रिटिश भू–राजस्व नीति,स्थायी बंदोबस्त, रैतयवारी तथा महलवारी, कृषकों की स्थिति, ग्रामीण ऋणग्रस्तता, कृषि का वाणिज्यीकरण,धन का उत्सर्ग, कुटीर उद्योगों का विनाश, अनौद्योगीकरण।

B.A. SEMESTER V

HISTORY **2013-2014**

Max Marks 85

HISTORY OF INDIA, FROM 1740 AD TO 1857 AD

Objective- After the disintegration of Mughal empire India became a battleground for supremacy of powers. The rise of British power in India was the result of the forces of disunity, which were at play in India. The success at the Mysore and Maratha wars placed the British administration in supreme position. The socio-religious movement started by Raja Rammohan Roy and Lord William Bentinck brought about revolutionary changes in the Indian society. The British administered the country for their material and commercial interests. However the colonial policies led to the revolt of 1857.

Unit I- Political trends in the mid 18th century, Anglo-French conflict in Karnataka, Third Battle of Panipat, Establishment of East India Company's rule in India, Battles of Plassey and Buxar, Diwani of Bengal, Bihar and Orissa, Dual government.

Unit II- Growth of colonial administration- Warren Hastings and Lord Cornwallis, Regulating Act, Pitt's India Act, Anglo-Maratha relations, Anglo-Mysore relations, Anglo-Afghan relations, Wellesley and the Subsidiary Alliance Policies.

Unit III- Maharaja Ranjeet Singh and Anglo-Sikh relations, Lord Hastings and British Paramountcy, downfall of Marathas, Anglo-Burmese Relations, Anglo-Afghan relations, Lord Dalhousie and the Doctrine of Lapse, Revolt of 1857-causes, nature and results.

Unit IV- Indian Renaissance, socio-religious movements, Raja Rammohan Roy and Brahma Samaj, Lord William Bentinck, status of women, growtht of western education, Modernization of India.

Unit V- British land revenue settlements, Permanent Settlement, Ryotwari and Mahalwari,

condition of peasants, rural indebtedness, commercialization of agriculture, drain of wealth,

decline of cottage industries and de-industrialization.

Department of Higher Education, Govt. of M.P. Undergraduate single paper system

Semester wise Syllabus

as recommended by Central Board of Studies and Approved by HE the Governor of M.P

उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन

स्नातक कक्षाओं के लिए एकल प्रश्न पत्र प्रणाली सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम,

(केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित)

बी.ए. –VI Sem. 2013-2014 **कुल अंक 85**

भारत का इतिहास सन् – 1858 से 1950 ई. (राष्ट्रीय आंदोलन के विशेष सदर्भ में)

उद्देश्यः– 1857 के विप्लव ने भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का अंत कर दिया। राष्ट्रवादी भावनाओं से प्रभावित होकर भारतीय जनमानस ने साम्राज्यवाद के विरूद्ध स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेना प्रारंभ किया । ब्रिटिश शासन के दौरान श्रमिक एवं कृषक आंदोलनों, औद्योगीकरण, शिक्षा के विकास आदि का वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन होना चाहिए। ब्रिटिश सरकार द्वारा किये गये विद्यार्थी सुधारों का अध्ययन, भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के परिप्रेक्ष्य में किया जाना चाहिए। जिससे तत्कालीन,सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियों से विद्यार्थी सही अर्थो से परिचित हो सकें। देश 1947 में स्वतंत्र हुआ और 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू किया गया।

इकाई – 1

महरानी विक्टोरिया की घोषणा तथा 1858 का अधिनियम, 1861 का भारतीय कौसिंल अधिनियम, लार्ड लिटन और लार्ड रिपन का आंतरिक प्रशासन,राजनैतिक संगठन तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस,1892 का भारतीय कौसिंल अधिनियम।

इकाई – 2

लार्ड कर्जन तथा बंगाल का विभाजन, स्वदेशी आंदोलन, उदारवादी, उग्रवादी तथा क्रांतिकारी, 1909 का अधिनियम, कृषक तथा आदिवासी आंदोलन, लखनऊ समझौता, रौलट एक्ट, जलियांवाला बाग हत्याकांड, सन् 1919 का भारत का सरकार अधिनियम तथा द्वैध शासन।

इकाई – 3

गाँधी युग– खिलाफत तथा असहयोग आंदोलन, स्वराज्य दल, साईमन कमीशन, लाहौर कांग्रेस, सविनय अवज्ञा आंदोलन, गोलमेज सम्मेलन, 1935 का भारत सरकार अधिनियम तथा प्रांतीय स्वायत्तता, भारत छोडो आंदोलन।

इकाई – 4

क्रिप्स मिशन, शिमला सम्मेलन, केबिनेट मिशन, सुभाष चन्द्र बोस एवं आजाद हिन्द फौज, सांप्रदायिक राजनीति एवं भारत का विभाजन, भारतीय स्वाधीनता अधिनियम 1947, रियासतों का विलीनीकरण, भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएं।

इकाई – 5

भारतीय कृषि–ब्रिटिश अकालनीति, उपनिवेशवादी अर्थव्यवस्था का स्वरूप , ब्रिटिश अर्थनीति और भारत का आर्थिक शोषण, आधुनिक उद्योगों का उदय, व्यापार तथा वाणिज्य का विस्तार, सामाजिक धार्मिक आंदोलन– आर्यसमाज, रामकृष्ण मिशन, थियोसॉफिकल सोसायटी, मुस्लिम सुधार आंदोलन, महिलाओं का उत्थान, शिक्षा का विकास, भारतीय प्रेस का विकास।

1 Agrawal R.C. Indian Constitutional Development and National Movement in India.
2 Argov Daniel: Moderates and Extremists in India.
3 Bipan Chandra, India's Struggle for Independence, 1857-1947(Delhi, Penguin, 1996)
4 Brass, Paul, The Politics of India Since Independence (Delhi, Foundation Books, 1994)
5 Desai A.R.: Peasant Struggle in India.
6 Desai A.R. Social Background of Indian Nationalism (Also Hindi Version)
7 Dharma Kumar & Tapan Ray Chaudhuri, ed Cambridge Economic History of India, Vol.II(Cambridge, 1982),
8 Dutt, R.C. India Under the Early British Rule and Victorian Age (Also Hindi Version)
9 IGNOU Course Material, EH 1.1 and EH 1.5 (English & Hindi) (1948-1964)(1757-1857)

10 Panigrahi D.N. Economy, Society and Politics in Modern India (Delhi Vikas, 1985)
11 Puri, Chopra and Das: Social, Cultural and Economic History of India.
12 Sarkar & Dutt: Modern India (English & Hindi Version)
13 Sarkar, Sumit: Modern India (1885-1947) (Delhi, Macmillan,1985)
14 रविंदर कुमार– आधुनिक भारत का सामाजिक इतिहास,ग्रंथ – शिल्पी 1999–2000
15 बी.एल.ग्रोवर,यशपाल, अलका मेहता– आधुनिक भारत का इतिहास– एक नवीन मूल्यांकन(1707 से वर्तमान तक) एस.चन्द एण्ड कम्पनी लि. दिल्ली 2004
16 बी.एन. लुनिया – आधुनिक भारत का इतिहास
17 बी.एन.लुनिया – आधुनिक भारत – जनजीवन एवं संस्कृति
18 अरूण कुमार मित्तल– आधुनिक भारत का इतिहास
19 एम.एस.जैन– आधुनिक भारत का इतिहास

Department of Higher Education, Govt. of M.P. Undergraduate single paper system

Semester wise Syllabus
as recommended by Central Board of Studies and Approved by HE the Governor of M.P

उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन
स्नातक कक्षाओं के लिए एकल प्रश्न पत्र प्रणाली सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम,
(केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित)

BA SEMESTER VI,

HISTORY 2013-14

HISTORY OF INDIA FROM 1858 AD TO 1950 AD WITH EMPHASIS ON THE NATIONAL MOVEMENT

Max marks 85

Objective- The revolt of 1857 brought down the curtains of company's rule in India. However, the spirit of nationalism influenced the masses to display their solidarity against imperialism and embarking on the path of freedom struggle.The peasant movements, industrialization process and the development of education during British rule have to be studied in the right perspective. The legislative measures taken by the British government have to be studied with the backdrop of the Indian national movement. The contemporary socio-economic conditions prevalent in the country have to be taken into account while studying this crucial aspect of national movement. This ultimately resulted in the independence of our country and consequent adoption of our Republican constitution on 26 January,1950.

Unit I- Queen Victoria's Proclamation and The Act of 1858, Indian Council Act 1861, Internal administration of Lord Lytton and Lord Ripon, political associations and the Indian National Congress, Indian Council Act of 1892.

Unit II- Lord Curzon and the partition of Bengal, Swadeshi movement, moderates, extremists and revolutionaries, Government of India Act 1909, Home Rule movement, peasant and tribal movements, Lucknow Pact, Rowlat Act, Jallianwalan Bagh massacre, Government of India Act1919 and Dyarchy.

Unit III- Gandhian Era, Khilafat and Non Cooperation Movement, Swarajists, Simon Commission, Lahore Congress, Civil Disobedience Movement, Round Table Conferences, Government of India Act 1935 and Provincial Autonomy, Quit India Movement.

Unit IV- Cripps Mission, Shimla Conference, Cabinet Mission, Subhas Chandra Bose and the INA, Communal Politics and the Partition of India, Indian Independence Act 1947, Integration of Indian Princely States, Main features of the Indian Constitution.

Unit V- Indian agriculture, British famine policy, nature of colonial economy, British Fiscal Policy and India's economic exploitation, rise of modern industry, expansion of trade and commerce, socio- religious movements- Arya Samaj, Ramkrishna Mission, Theosophical Society, Muslim reform movements, Upliftment of women, development of education, growth of Indian Press.